

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
23.12.2015 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या *353

यूरेनियम स्रोत

*353. श्री प्रहलाद सिंह पटेल :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने कुछ और यूरेनियम भंडारों की खोज की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार का विचार निदेशालय की अन्वेषण क्षमता का उन्नयन करने और मानचित्रीकरण के प्रयोजनार्थ नई / अद्यतन प्रौद्योगिकियों को भी शामिल करने का है;
- (ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके वित्तीय निहितार्थों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (घ) देश में यूरेनियम भंडारों की पहचान करने के लिए निदेशालय की अन्वेषण और अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क)
से एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।
- (घ)
तक

* * * *

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

.....

**‘यूरेनियम स्रोत’ के बारे में दिनांक 23.12.2015 को श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा
लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *353 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

- (क) जी, हाँ। पिछले छः महीनों के दौरान, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक संघटक यूनिट परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा, 4,000 मीटरीटन स्वस्थाने U_3O_8 (3392 मीटरीटन यूरेनियम) के भंडारों का पता लगाया गया है। नवम्बर, 2015 तक की स्थिति के अनुसार, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय ने 2,29,936 मीटरीटन स्वस्थाने U_3O_8 (1,94,985 मीटरीटन यूरेनियम) भंडारों का पता लगाया है।

पिछले छः महीनों के दौरान पता लगाए गए यूरेनियम भंडारों का राज्य-वार विवरण नीचे दिया जा रहा है :

राज्य	जिला	निक्षेप स्थल का नाम	यूरेनियम के भंडार			
			मई, 2015 की स्थिति के अनुसार		नवम्बर, 2015 की स्थिति के अनुसार	
			U_3O_8 (मीटरीटन)	यूरेनियम (मीटरीटन)	U_3O_8 (मीटरीटन)	यूरेनियम (मीटरीटन)
आंध्र प्रदेश	कडप्पा	तुम्मलापल्ली - रचकुंटापल्ली	98,952	83,911	1,02,952	87,303

[एक मीटरीटन U_3O_8 = 0.848 मीटरीटन यूरेनियम धातु]

- (ख) जी, हाँ। सरकार द्वारा, XAवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारंभिक वर्षों में, हाइड्रोस्टेटिक ड्रिल रिग्स, चल भू-रासायनिक वैन, वायुवाहित काल प्रक्षेत्र वैद्युत-चुम्बकीय (टीडीईएम) प्रणाली, भूकम्पीय तथा (ग) परावर्तन-अपवर्तन प्रणाली, जीपीएस आधारित मैग्नेटोमीटर, वीडियो-कांफ्रेंसिंग प्रणाली तथा मल्टी-पैरा बोरहोल लॉगिंग प्रणाली, आईसीपी-ओईएस जैसे आधुनिकतम उपकरणों/उपस्करों का प्रापण करके परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय की अन्वेषण क्षमता के आधुनिकीकरण का काम पहले ही शुरू किया जा चुका है। सरकार ने, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय के लिए, XAवीं पंचवर्षीय योजनावधि (2012-2017) के दौरान 831.48 करोड़ रुपए तक के कुल योजनागत परिव्यय को पहले ही अनुमोदित कर दिया है।
- (घ) सरकार ने, देश में यूरेनियम के अतिरिक्त भंडारों का पता लगाने के लिए परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय की अन्वेषण तथा अनुसंधान क्षमता में वृद्धि करने हेतु, XAवीं पंचवर्षीय योजनावधि (2012 - 2017) के दौरान, 831.48 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली नई परियोजनाओं का सूत्रण किया है। क्षमता में वृद्धि के अंतर्गत, (i) विभागीय मशीनों द्वारा ड्रिलिंग मीटरेज, (ii) वायुवाहित तथा भूमि पर किए जाने वाले भू-भौतिकीय सर्वेक्षण, तथा (iii) आधुनिकतम उपकरणों/उपस्करों को काम में लाकर विश्लेषणात्मक सहायता, में वृद्धि किया जाना शामिल है।
